तर्ज--जो तुमको हो पंसद
जो तुमको हो पंसद वही बात करेगें
तुम दिन को अगर रात कहो रात कहेगें

1--सूरज भी निकलता है तो कहते हो अंधेरा
दुनिया से अलग सतगुरू ये ज्ञान है तेरा
हम तेरे नक्शे कदम पर चलते ही रहेगें

2-दुनिया कहती है ब्रह्म कण कण में समाया
तुमने तो खीर नीर को अलग करके दिखाया
दुनिया से उलट हो के हम भी चलेगें

3--रहता है कमल पानी में पानी से अलग है
ऐसे ही ब्रह्म सृष्टि भी माया से अलग है
हम चितवन परमधाम का करते ही रहेगें

Nijanand App